e वत् - cui respondet gr. πέρυσι; v. Pott. I. 124. II. 266.)

वत्सल (a वत्स s. ल) amans, amicus, *praesertim in fine compp.* H. 1. 28.: भ्रातृवत्सल; SA. 2. 14.: पितृव°; N. 12. 78.: द्विजातिजनव°.

वत्स्यामि v. *euph. r.* 100. *a.*

1. वद् 1. *P. A.* (de correptâ formâ उद् v. gr. 455. 505. 613.) dicere, loqui. IN. 5. 37.: यन् मां वदसि; N. 12. 74.: वद सत्यम्; 17. 39.: प्रतिवाक्यं वदस्व; BH. 2. 36.: वदिष्यन्ति; SA. 4. 7.: वचनं युक्तम् अस्मद्विधो वदेत्; MAN. 8. 9.; मा स्म ... अनृतम् वदीः (ut videtur, metri causâ pro वादीः v. gr. 408.); RAGH. 3. 25.: उदितं वचः (v. gr. 613.). 2) clamare, vociferari. DR. 6. 3.: मृगा द्विजाः क्रूरम् इमे वदन्ति; 6. 7.: वदति ... शालवृकः. — *Caus.* वादयामि, °ये sonare facio. MAN. 4. 64.: न वादित्राणि वादयेत्; DEV. 2. 54.: अवादयन्त पटहान् गणाः शङ्खांस् तथा 'परे मृदङ्गांश्च तथै 'वा 'न्ये; IN. 5. 27.: वीनासु वाद्यमानासु गन्धर्वैः. (Lith. *wadinu* voco; slav. *vad-i-ti* reprehendere; hib. *feadaim* «I relate, say»; fortasse *luadhaim* «I mention, speak, hint», *raidim* «I say, relate»; mutatis semivocalibus *v*, *r*, *l*; v. gr. comp. §. 20.; cambro-brit. *gwed* verbum; goth. *raz-da* sermo, nisi pertinet ad रह् q. v.; germ. vet. *var-wâzu* maledico; cum *z* pro *d*, v. gr. comp. §. 87.; gr. ὕδω, ὑδέω, ὕδης (cf. correptam formam उद्); fortasse lat. *vas*, *vad-is* a dicendo dictum; sicut nos dicimus *gut sagen*; fortasse etiam lith. *laidoju* «ich bürge, sage gut» huc pertinet, mutato *w* in *l*; fortasse lat. *suâdeo* dissolvendum est in *s-vâdeo* = सु + वादयामि cl. 10. vel Caus.; v. gr. comp. 109[a]. 6.)

c. अनु imitari alicujus verba, vocem, *nachsprechen*. RAGH. 5. 74.: गिरन् नस् त्वद्प्रबोधप्रयुक्ताम् अनुवदति शुकस् ते.

c. अप maledicere, reprehendere, vituperare. MAN. 4. 236.: ना "र्तो ऽप्य् अपवदेद् विप्रान् (schol. निन्दयेत्). *Caus.* vel cl. 10. *id.* MAH. 3. 1036.: क्षमा ... पण्डितैर् अपवादिता.

c. अभि alloqui. DR. 6. 2.: भ्रातॄंश्च तान् अभ्यवदद् युधिष्ठिरः; MAN. 8. 356.: — *Caus. i. q. Caus. simpl.* MAH. 3. 14386.: वादित्राण्य् अभिवादयन्. — *V.* 2. वद्.

c. आ praef. सम् *i. q. simpl.* MAH. 3. 16148.: त्वदर्थे हि समावदत्.

c. उप *A.* blandiri, *c. acc. pers.* BHATT. 8. 28.: न कश्चिद् उपावदिष्ट (schol. G'. उपसान्त्वितवान्; BH.: प्रलोभनवाक्यम् भाषते स्म).

c. परि calumniari. MAH. 1. 3079.: परिवदन् अन्यांस् तुष्टो भवति दुर्जनः; 3. 14686.: ना 'पि परिवदे श्वश्रूम्.

c. प्र *i. q. simpl.* N. 22. 21.: तस्यास् तत् प्रियम् आख्यानम् प्रवदस्व. — *Caus. i. q. Caus. simpl.* MAH. 1. 5356. 5460.

c. वि altercari, litigare, *c. instr. pers. et loc. rei.* MAN. 9. 191.: द्वौ तु यौ विवदेयाताम् ... स्त्रिया धने; HIT. 87. 19.: शतन् दद्यान् न विवदेत्.

c. सम् colloqui. HIT. 88. 16.: स्वचरैः सह संवदेत्.

c. सम् praef. वि pactum, fidem violare, promissis non stare. MAN. 8. 219.: यः ... कृत्वा सत्येन संविदम् विसंवदेन् नरो लोभात्.

2. वद् 1. et 10. *A.* (भाषणे *K.* वाक्सन्देशयोः *V.*) dicere, jubere.

c. अभि 10. *P. A.* se inclinare *reverentiae causâ*, *c. acc.* IN. 5. 20.: अभिवादये त्वां शिरसा; MAH. 3. 10909.: आकाशगङ्गाम् पाण्डवास् ते ऽभ्यवादयन्; 10908.: अभिवादत (ut videtur, metri causâ pro अभिवादयत); SA. 1. 27.: अभिवाद्य पितुः पादौ; A. 1. 4. N. 12. 68. 25. 2.

वद (r. वद् s. अ) dicens, loquens, *in fine compositorum, vid.* प्रियंवद.

वदन *n.* (r. वद् s. अन) os, vultus. N. 2. 2. (Hib. *aodann* «the face», *eudan* «the forehead».)

वदरी *f.* 1) nomen arboris (Wils. jujube). N. 12. 5. 2) silva (?). M. 3. MAH. 3. 1637. (scribitur etiam ब°).

वदान्य (r. वद् s. आन्य) 1) eloquens. 2) munificus, liberalis. HIT. 77. 20.

वध् *P. interdum A.* (caret tempp. special., scribitur etiam बध्) 1) pulsare, ferire, tundere. MAH. 4. 461.: अथै